फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 77 संख्याः 102 प्रभात जयपुर, शुक्रवार 13 नवम्बर, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com



Before White Sugar

Honey was one of the most obvious and valuable natural sweeteners. Bees had already solved the problem of concentrating floral sugars

"Bacchus"

"Don't Go Far, Boys!" The Air India Flight that became a Guardian Angel for two runaway boys

ओवैसी-आज़ाद के ''सामाजिक परिवर्तन मंच'' को ज्यादा महत्व नहीं दे रही है सपा

ऐसा माना जा रहा है कि यह मंच अधिकतम 3-7 प्रतिशत वोट ले पाएगा, यू.पी. के विधानसभा चुनाव में

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 नवम्बर। असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम (ऑल इंडिया मजलिस -ए -इत्तेहादुल मुस्लिमीन) और चंद्रशेखर आजाद की पार्टी द्वारा आज ''सामाजिक परिवर्तन मोर्चा'' बनाने की घोषणा के साथ ही, उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव अब एक बहुकोणीय मुकाबले की शक्ल लेते दिख रहे हैं। भाजपा के नेतृत्व वाला एनडीए और सपा-कांग्रेस गठबंधन मुख्य दावेदार माने जा रहे हैं, लेकिन मायावती की बसपा भी चुनावी मैदान में मौजूद है।

सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि क्या सामाजिक परिवर्तन मोर्चा, सपा-कांग्रेस गठबंधन की चुनावी संभावनाओं को अधिक नुकसान पहुंचाएगा?

एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में ओवैसी और आजाद ने उत्तर प्रदेश विधानसभा की सभी 403 सीटों पर चुनाव लड़ने की घोषणा की। इस मोर्चे की ओर से चंद्रशेखर आजाद को मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के रुप में प्रोजेक्ट किया गया है।

- **एक आंकलन यह भी है कि सामाजिक परिवर्तन मंच, दलित-मुस्लिम वोट, जिसे सपा ने काफी मेहनत से संगठित किया है, को मुख्य रूप से वेस्टर्न यू.पी. में नुकसान पहुँचायेगा।**
- **ओवैसी कई बार, अखिलेश को यह ऑफर भेज चुके हैं कि उन्हें (अखिलेश को) ओवैसी की पार्टी से हाथ मिलाना चाहिए, भाजपा विरोधी वोटों का विभाजन रोकने के लिए।**

संवाददाता सम्मेलन में ओवैसी ने अपने मोर्चे को एक विश्वसनीय विकल्प बताया और समाजवादी पार्टी तथा कांग्रेस को इसमें शामिल होने का न्योता दिया। उन्होंने कहा कि यदि वे भाजपा को रोकना चाहते हैं तो इस मोर्चे में शामिल हो सकते हैं।

सपा ने अपनी पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) रणनीति के जरिए दलित और मुस्लिम वोट बैंक को मजबूत किया है। अब यह नया मोर्चा उसी वोट बैंक को निशाना बना रहा है, जिससे पश्चिमी उत्तर प्रदेश और अन्य महत्वपूर्ण विधानसभा क्षेत्रों में विपक्षी वोटों के बंटने का खतरा पैदा हो गया है।

अनुमान है कि इस मोर्चे को पूरे राज्य में 3 से 7 प्रतिशत तक वोट मिल सकते हैं, जो कड़े मुकाबलों का नतीजा बदलने और परोक्ष रुप से सत्ताधारी पार्टी की मदद करने के लिए काफी हैं। सपा के नेताओं ने इस गठबंधन को खारिज किया है। उनमें से कुछ का आरोप है कि यह मोर्चा केवल विपक्षी वोटों को बांटने का काम करेगा।

ओवैसी ने इसी साल पहले भी कई बार सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को गठबंधन का प्रस्ताव दिया था। उन्होंने उनसे बातचीत करने की अपील की थी, ताकि भाजपा विरोधी वोटों का बंटवारा रोका जा सके। उन्होंने यह चेतावनी भी दी थी कि चुनाव के बाद उन्हें अपने फैसले पर पछताना पड़ सकता है। लेकिन अखिलेश ने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया। उन्होंने कहा कि सपा कांग्रेस के साथ अपने मौजूदा इंडिया गठबंधन को जारी रखेगी, जिसने 2024 के लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में अच्छा प्रदर्शन किया था। सपा नेताओं ने ओवैसी की अलग राजनीतिक सोच और उनके साथ तालमेल बैठाने में आने वाली कठिनाइयों को इसकी वजह बताया था और कहा था कि पार्टी मौजूदा गठबंधन के दायरे से बाहर नहीं जाना चाहती।

इस बीच, अखिलेश यादव और उनकी पत्नी डिंपल यादव 12 दिसंबर को अयोध्या में राम मंदिर जाने वाले हैं। मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के बाद, यह उनकी पहली यात्रा होगी। इस प्रस्तावित यात्रा में हनुमानगढ़ी में पूजा-अर्चना भी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमिताभ बच्चन के घर को उड़ाने की तीसरी धमकी मिली

मुंबई, 12 नवंबर। मुंबई में बम की धमकी वाले एक नए ईमेल में कई प्रमुख जगहों के साथ-साथ, अभिनेता अमिताभ बच्चन के जुहू स्थित आवास ''जलसा'' का भी जिक्र है। जी हां, अमिताभ बच्चन के बंगले को बम से उड़ाने की ये धमकी तीसरी बार मिली है। इस मेल के बाद मुंबई पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने सतर्कता बढ़ा दी है

- **सुरक्षा एजेन्सियों व बम निरोधक दस्तों ने धमकी वाले सभी स्थानों पर सघन चैकिंग की।**

और ईमेल में बताई गई जगहों की जांच-पड़ताल शुरू कर दी है।

ईमेल में मुंबई की कई जगहों का जिक्र था, जिनमें मेयर का ऑफिस, एक बैंक, एक अदालत,अमिताभ बच्चन का बंगला, महालक्ष्मी रेसकोर्स और छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा शामिल हैं। मेल में नगर निगम का भी जिक्र था, जिसके बाद पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट कर दिया गया। इसके बाद, बम निरोधक दस्ते और सुरक्षा टीमों ने ईमेल में बताई गई जगहों की जांच की। लेकिन, तलाशी के दौरान कोई भी संदिग्ध चीज नहीं मिली। अधिकारी जांच के हिस्से के तौर पर धमकी भरे ईमेल की भी पड़ताल कर रहे हैं, ताकि इसकी असलियत का पता लगाया जा सके और इसे भेजने वाले की पहचान की जा सके।

'बेटा जन्म से ही पिता को दादा से मिली सम्पत्ति में भागीदार नहीं बन जाता'

सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय ने खानदानी सम्पत्ति के बंटवारे के मामलों में भारी हलचल मचा दी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 नवम्बर। सुप्रीम कोर्ट ने एक अपील को खारिज करते हुए कहा है कि कोई बेटा अपने पिता की उस संपत्ति में जन्मसिद्ध अधिकार का दावा नहीं कर सकता, जिसका पहले ही बंटवारा हो चुका है और जो अब पूरी तरह से पिता की निजी संपत्ति बन चुकी है। इस अपील में संपत्ति में आधा हिस्सा मांगा गया था।

- **जिस मुकदमे में सुप्रीम कोर्ट ने यह निर्णय सुनाया था, उसमें दादा की सम्पत्ति का विभाजन 1993 में हो गया था तथा पौत्र का जन्म 1994 में हुआ।**

अदालत इस बात की जांच कर रही थी कि क्या कोई बेटा अपने पिता के जीवित रहते, उनकी संपत्ति के बँटवारे की मांग कर सकता है, इस आधार पर कि वह संपत्ति पुश्तैनी या संयुक्त परिवार की संपत्ति है।

यह मामला 1997 में दायर बंटवारे के एक मुकदमे से जुड़ा था। यह मुकदमा एक नाबालिग बेटे की ओर से उसकी मां ने दायर किया था। इसमें 1,811 वर्ग फुट की संपत्ति में आधा हिस्सा मांगा गया था। बेटे का कहना था कि यह संपत्ति मूल रूप से उसके दादा की थी और जन्म से ही उसका इस संपत्ति पर अधिकार बन गया था।

लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि दादा की मृत्यु और उत्तराधिकार की प्रक्रिया, अपीलकर्ता (बेटे) के जन्म से पहले ही शुरू हो गई थी। दादा की संपत्ति के बंटवारे की कार्यवाही 1993 में शुरू हुई थी। अपील करने वाले बेटे का जन्म 6 जनवरी 1994 को हुआ था, जबकि 3 फरवरी 1994 को संपत्ति के बंटवारे को लेकर समझौता हुआ था।

अदालत ने कहा कि हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956 के तहत, दादा की संपत्ति उनके प्रथम श्रेणी के कानूनी वारिसों को मिली थी। बंटवारे के बाद, सभी हिस्सेदारों को जो हिस्सा मिला, वह उनकी अपनी निजी संपत्ति बन गया।

इस तरह, अपीलकर्ता के पिता को जो हिस्सा मिला, वह उनकी निजी संपत्ति बन गया। इसे संयुक्त पैतृक संपत्ति नहीं माना जा सकता था और न ही बेटे को इसमें जन्म से कोई अधिकार मिल सकता है। अदालत ने यह भी कहा कि पिता ने बाद में अपने हिस्से की सम्पत्ति बिक्री के दस्तावेजों के जरिए बेच दी थी और इन बिक्री दस्तावेजों को कभी चुनौती नहीं दी गई।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बेटा उस संपत्ति में जन्मसिद्ध अधिकार का दावा नहीं जता सकता, जो पहले ही उसके पिता की निजी संपत्ति बन चुकी हो। अदालत को उस फैसले में कोई गलती नहीं मिली, जिसे चुनौती दी गई थी।

इससे पहले दिए गए फैसले में यह माना गया था कि जब किसी बेटे या बेटी को अपने पिता की संपत्ति के बंटवारे में हिस्सा मिल जाता है, तो वह संपत्ति चाहे पिता की पुश्तैनी हो या उनकी खुद की कमाई से खरीदी गई हो, उस बेटे या बेटी के हिस्से की पूरी तरह निजी संपत्ति बन जाती है। वे अपने हिस्से की संपत्ति के पूर्ण मालिक होते हैं और, अपने बेटों को उसमें अधिकार दिए बिना, उसके बारे में अपनी इच्छा के अनुसार फैसला कर सकते हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'सोनिया गांधी की आत्मकथा में नरसिम्हा राव को स्थान न देना अनुचित'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 नवम्बर। पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव के पोते एनवी सुभाष ने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के संस्मरणों को ''झूठ का पुलिंदा'' बताया है। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री राव के योगदान को जानबूझकर नज़रअंदाज़ करने के लिए सोनिया गांधी की आलोचना की।

सुभाष, जो भाजपा की तेलंगाना इकाई के मुख्य प्रवक्ता भी हैं, ने सोनिया गांधी पर आरोप लगाया कि

- **राव के पौत्र ने कुपित होकर आरोप लगाया कि नेहरू-गांधी परिवार, सदा से गैर नेहरू-गांधी राजनीतिज्ञ को ''महत्वहीन'' ठहराता आया है।**

उन्होंने कांग्रेस पार्टी और देश के लिए नरसिम्हा राव के योगदान को जानबूझकर नज़रअंदाज़ किया है। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात से ''कोई हैरानी नहीं'' हुई है।

उन्होंने कहा, ''स्वर्गीय पीवी नरसिम्हा राव के परिवार के सदस्य के रूप में हमारे लिए यह कोई बड़ी हैरानी की बात नहीं है कि किताब में उनका उल्लेख नहीं किया गया। सोनिया गांधी निश्चित रूप से कांग्रेस पार्टी और देश के लिए उनके योगदान को जानबूझकर नज़रअंदाज़ करना चाहेंगी।''

सुभाष ने कहा कि गांधी परिवार की यह पुरानी आदत रही है कि वह अपने ही नेताओं की अनदेखी करता है और उन्हें ''कम महत्व देता है'', ताकि गांधी परिवार के सदस्यों को ज्यादा अहमियत मिल सके।

उन्होंने कहा, ''नरसिम्हा राव भारत में आर्थिक सुधारों के जनक और दक्षिण भारत से आने वाले देश के पहले प्रधानमंत्री थे। वे सम्मान के हकदार हैं। उनके बिना क्या भारत आर्थिक सुधारों को हासिल कर पाता? मैं डॉ. मनमोहन सिंह का सम्मान करता हूं, लेकिन वो नरसिम्हा राव ही थे, जिन्होंने मनमोहन सिंह को वित्त मंत्री चुना और कांग्रेस के भीतर हुईं आलोचनाओं के बावजूद, आर्थिक सुधारों का समर्थन किया।''

प्रधानमंत्री मोदी फिलीपींस जायेंगे

नई दिल्ली, 12 नवंबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 23वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन और 21वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए 16 से 18 नवंबर तक फिलीपींस की राजधानी मनीला की तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर जाएंगे।

विदेश मंत्रालय के सचिव

- **पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में भाग लंगे।**

(पूर्व) रुद्रेन्द्र टंडन ने प्रधानमंत्री की यात्रा से पहले यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के संगठन (आसियान) के साथ भारत की सहभागिता हमारी एक्ट ईस्ट नीति की एक महत्वपूर्ण आधारशिला है। मनीला प्रवास के दौरान प्रधानमंत्री मोदी फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कस जूनियर द्वारा आमंत्रित गणमान्य व्यक्तियों के सम्मान में आयोजित रात्रिभोज में शामिल होंगे। इसके अगले दिन वे आसियान-भारत शिखर सम्मेलन और पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन की प्रक्रिया में भाग लेंगे तथा इस दौरान अन्य वैश्विक नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगे। उन्होंने बताया कि भारतीय समुदाय की भारी मांग को देखते हुए, प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में प्रवासी भारतीयों के साथ संवाद को शामिल करने के भी प्रयास किए जा रहे हैं।

'साठ दिन में 17 माह से लंबित आवेदन पर जेडीए फैसला करे'

जयपुर, 12 नवंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने जेडीए के सक्षम अधिकारी को कहा है कि वे भूखंड के नियमितीकरण के लिए 17 माह से लंबित आवेदन पर साठ दिन में फैसला

- **हाई कोर्ट ने भूखंड के नियमितीकरण के मामले में निर्देश दिए।**

करें। जस्टिस आनंद शर्मा ने यह आदेश हरीश कुमार की याचिका पर दिए।

याचिका में अधिवक्ता डीडी खंडेलवाल ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता ने टोंक रोड पर स्थित स्कीम संख्या विष्णु गार्डन के भूखंड संख्या 1 के नियमितीकरण के लिए 9 जून 2025 को जेडीए में आवेदन किया था। एक वर्ष से अधिक समय बीत जाने के बाद भी जेडीए के अधिकारियों ने भूखंड नियमित करने को लेकर अंतिम

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'रोज कॉफी पीने से आंतों का इकोसिस्टम प्रभावित होता है'

कोपनहेगन युनिवर्सिटी के न्यूट्रिशन, कसरत व स्पोर्ट्स डिपार्टमैंट की रिसर्च के अनुसार, नियमित रूप से पाँच या इससे अधिक कप कॉफी पीने से आंतों के ''बैक्टीरियल एनवायरमैंट'' पर विपरीत असर पड़ता है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 नवम्बर। यदि आप नियमित रूप से कॉफी पीते हैं, तो ऐसा लगता है कि यह न केवल आपकी आंतों में मौजूद बैक्टीरिया को बदलती है, बल्कि आंतों की कार्यप्रणाली (फिज़ियोलॉजी) पर भी असर डालती है।

- **दूसरे शब्दों में नियमित प्रतिदिन पाँच कप से अधिक कॉफी पीने से आंतों के काम काज पर अच्छा प्रभाव नहीं पड़ता, क्योंकि आंतों के बैक्टीरिया की फिज़ियोलॉजी परिवर्तित होती है।**
- **नियमित कॉफी पीने वालों की छोटी आंतों में पी.एच. का स्तर कम हो जाता है।**

यह निष्कर्ष कोपनहेगन विश्वविद्यालय के एक अध्ययन में सामने आया है। यह अध्ययन कब्ज के बेहतर इलाज के तरीके खोजने में मदद कर सकता है।

यह विषय थोड़ा असहज लग सकता है, लेकिन हममें से बहुत से लोग इस अनुभव से परिचित हैं कि कॉफी का एक कप पेट साफ करने में मदद करता है।

नए शोध से पता चलता है कि नियमित रूप से कॉफी पीने से हमारे पाचन तंत्र के काम करने के तरीके पर असर पड़ता है।

शोधकर्ताओं ने डेनमार्क के कुछ लोगों को एक छोटा इलेक्ट्रॉनिक कैप्सूल निगलने के लिए कहा। जब यह कैप्सूल उनके पाचन तंत्र से होकर गुज़रा, तो इसने कई चीजों को मापा, जैसे कि गैस्ट्रोइन्टैस्टाइनल सिस्टम से गुज़रने में लगा समय, तापमान, पीएच स्तर और आंतों में होने वाले संकुचन (कॉन्ट्रैक्शन्स) शामिल थे।

प्रतिभागियों को दो समूहों में बांटा गया। एक वो जो अक्सर कॉफी पीते थे (यानी अध्ययन के आठ दिनों में से 3 से ज्यादा दिन, रोजाना 1 से 5 कप कॉफी पीने वाले)। दूसरे समूह में वे लोग थे, जो कम बार कॉफी पीते थे।

अध्ययन के नतीजों से सबसे पहले तो इस बात की पुष्टि हुई कि कॉफी आंतों में मौजूद बैक्टीरिया की संरचना को प्रभावित करती है। पिछले अध्ययनों में भी यह बताया गया था। नियमित रूप से कॉफी पीने वालों की आंतों में सूक्ष्मजीवों (माइक्रोऑर्गैनिज़्म्स) की विविधता, कम कॉफी पीने वालों की तुलना में अधिक थी।

कोपनहेगन विश्वविद्यालय के पोषण, व्यायाम और खेल विभाग में पीएचडी की छात्रा और इस अध्ययन की मुख्य लेखिका फ्रांसेस्का बुची कहती हैं, ''लेकिन शायद इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि नियमित रूप से कॉफी पीने से आंतों की अपनी कार्यप्रणाली (फिज़ियोलॉजी) भी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चार ट्रिलियन डॉलर की कंपनी एनवीडिया के सी.ई.ओ. ने इस्तीफा दिया

सी.ई.ओ. के त्याग पत्र का कारण है, सिंगापुर स्थित छोटी सी कंपनी, ''मैगास्पीड'' की सी.ई.ओ. से उनका प्रेम संबंध

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 नवम्बर। एक टैक स्टार का शर्मनाक पतन, वित्तीय बाजारों में इसके व्यापक असर देखने को मिल रहे हैं।

टैक्नॉलजी की दुनिया में एक शानदार करियर का अचानक अंत हो गया है।

सन् 1991 में एक छोटी-सी टैक कंपनी शुरू करने वाले और उसे दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनी बनाने वाले सी.ई.ओ. ने, चीन की एक जासूस के जाल में फंसने के संदेह के बीच, इस्तीफा दे दिया है।

चार ट्रिलियन डॉलर की कंपनी एनवीडिया के सीईओ जेनसन हुआंग ने आज शाम इस्तीफा दे दिया। चीनी जासूस से जुड़े खुलासों के बाद, एनवीडिया के बोर्ड ऑफ डायरैक्टर्स की एक आपात बैठक हुई, जिसमें इस विवादित सी.ई.ओ. के भविष्य पर फैसला लिया गया। इसके तुरंत बाद जेनसन का इस्तीफा सामने आया।

यह कोई सामान्य इस्तीफा नहीं है। जेनसन हुआंग के विवाहेतर संबंधों (एक्ट्रा मैरिटल) की अफवाहों के कारण, कुछ ही दिनों में कंपनी की मार्केट वैल्यू 400 बिलियन डॉलर तक गिर गई। अमेरिका में चल रहे ए.आई., (आर्टिफिशल इंटैलिजैंस) बूम में इस कंपनी की बहुत बड़ी भूमिका रही है।

इसके और भी व्यापक परिणाम सामने आ सकते हैं। अमेरिकी शेयर बाजार के निवेशकों ने इस कंपनी में बड़ी मात्रा में पैसा लगा रखा है और इसके

- **यह प्रेम संबंध खबरों के समुन्दर में एक लहर बनकर कुछ ही दिनों में अपने आप महत्व खो देता।**
- **पर, इस खबर ने अंतर्राष्ट्रीय कॉरपोरेट जगत में भारी हंगामा मचा दिया, जब यह सार्वजनिक हुआ कि ''मैगास्पीड'' की सी.ई.ओ. चीन की गुप्तचर थीं।**
- **प्रेम संबंध की चर्चाओं से ही एनवीडिया कंपनी के शेयर्स की कीमत चार सौ बिलियन डॉलर गिर गई थी।**
- **जैसा कि विदित है, एनवीडिया के निवर्तमान सी.ई.ओ. ने एनवीडिया, जो 1991 में एक छोटी सी ''टैक कंपनी'' थी, को अपनी मेहनत, लग्न व हुनर से चार ट्रिलियन डॉलर की कंपनी बनाया था।**

वेल्यूएशन में भारी गिरावट से वित्तीय बाजारों में बड़ी हलचल मच सकती है। जेनसन से जुड़े खुलासों के बाद कंपनी के शेयर पहले ही 13 प्रतिशत गिर चुके हैं।

यह इस्तीफा उन खुलासों के बाद आया है, जिनसे पता चला कि जेनसन हुआंग का सिंगापुर स्थित एक छोटी कंपनी मेगास्पीड की प्रमुख एलिस हुआंग के साथ प्रेम संबंध था। पिछले दो वर्षों में एलिस हुआंग को कई कारोबारी बैठकों और अन्य कार्यक्रमों में जेनसन के साथ देखा गया था।

बाद में जेनसन ने स्वीकार किया कि एलिस हुआंग के साथ उनके विवाहेतर संबंध थे। सामान्य तौर पर अगर यह मामला सिर्फ दो लोगों के बीच का निजी मामला होता तो शायद इतनी बड़ी हलचल नहीं मचती। लेकिन मामला इसलिए गंभीर हो गया, क्योंकि एलिस हुआंग पर चीनी जासूस होने का शक है, जो एक टैक कंपनी की आड़ में चीनी सुरक्षा एजेंसियों के लिए काम कर रही थी।

एलिस हुआंग की कंपनी मेगास्पीड का इस्तेमाल उन बेहद महत्वपूर्ण सेमीकंडक्टर मटीरियल को भेजने के लिए किया जाता था, जिनका उपयोग आर्टिफिशल इंटैलिजैंस मॉडल को ट्रेन करने व अन्य जटिल कार्यों में होता है। अमेरिकी सरकार ने इन हाई-एंड चिप्स को चीन या चीन से जुड़ी संस्थाओं को निर्यात करने पर प्रतिबंध लगा रखा है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आप पार्टी ने पंजाब चुनाव की दूसरी लिस्ट जारी की

चंडीगढ़, 12 नवंबर। पंजाब विधानसभा चुनाव 2027 के लिए आम आदमी पार्टी (आप) उम्मीदवारों की दूसरी सूची को जारी कर दी गई है। पार्टी की राजनीतिक मामलों की समिति (पीएसी) की एक अहम बैठक के बाद

- **पार्टी ने 31 नाम घोषित किये हैं, 8 विधायकों के नाम कटे।**

इस सूची जारी किया गया। बैठक में हिस्सा लेने के लिए राज्य के मुख्यमंत्री भगवंत मान खुद दिल्ली पहुंचे। पार्टी की ओर से जारी सूची में 31 उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की गई है।

सीएम भगवंत मान ने मीडिया से बातचीत करते हुए बताया कि नई लिस्ट में नाम देख सभी हैरान होंगे। उन्होंने साफ किया कि ये टिकटें सर्वे के आधार पर दी गई हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 8 विधायकों की टिकट इस सूची में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)